आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
मंगलवार 17.03.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रदेश में वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत 402 करोड़ रुपए के नए विकास प्रस्तावों को मंजूरी।
- मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने राज्य में एलपीजी गैस आपूर्ति की समीक्षा की। कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।
- बागेश्वर में खाद्य सुरक्षा को लेकर आंगनबाड़ी सुपरवाइजरों और पोषण मिशन के कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।
- रुद्रप्रयाग जिले में प्रहरी पड़ाव अभियान के तहत ग्राम पंचायत उषाड़ा में पुलिस ने रात्रि चौपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद किया।

वाइब्रेंट विलेज

मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में वाइब्रेंट विलेज योजना की राज्य स्तरीय स्क्रीनिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में इस योजना के तहत चयनित सीमांत गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए लगभग 402 करोड़ के नए प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन प्रस्तावों के तहत गांवों में पर्यटन हाउसिंग, ग्राम अवसंरचना, सड़क संपर्क, सामाजिक विकास, अस्पताल, खेल मैदान, स्मार्ट कक्षाएं, कृषि उत्थान आदि से जुड़े विभिन्न कार्य किए जाएंगे। इन विकास कार्यों से सीमांत क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए आजीविका के नए अवसर सृजित होंगे तथा गांवों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति मजबूत होगी। मुख्य सचिव ने वाइब्रेंट विलेज योजना के अंतर्गत किए जा रहे सभी कार्यों को पारदर्शिता और उच्च गुणवत्ता के साथ संपन्न कराने के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता इतनी उत्कृष्ट होनी चाहिए, जिससे कि ये गांव अन्य क्षेत्रों के लिए प्रेरणादायक आदर्श गांव बन सकें।

गैस आपूर्ति

मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए प्रदेश में एलपीजी गैस की आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की। सचिवालय में आयोजित बैठक में खाद्य, नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामले विभाग के अधिकारियों सहित सभी जिलाधिकारी वर्चुअल शामिल हुए। पूर्ति विभाग ने बताया कि राज्य में एलपीजी गैस की पर्याप्त उपलब्धता है और उपभोक्ताओं को उनकी मांग के अनुरूप समय पर तथा पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों से गैस आपूर्ति की स्थिति पर फीडबैक प्राप्त करते हुए निर्देश दिए कि किसी भी परिस्थिति में उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि एलपीजी गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने गैस की अवैध बिक्री और जमाखोरी रोकने के लिए नियमित छापेमारी, स्टॉक की जांच व निगरानी अभियान चलाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों को गैस कंपनियों और वितरकों के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने और उन पर सतत निगरानी रखने के भी निर्देश दिए, ताकि गैस आपूर्ति सुचारु बनी रहे और कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

वनाग्नि जागरुकता गीत

चम्पावत के जिलाधिकारी मनीष कुमार ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान लोहाघाट द्वारा उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सौजन्य से वनाग्नि जागरूकता संबंधी दो जन–जागरूकता गीतों का विमोचन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जन–जागरूकता गीत और मीडिया सामग्री समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करने का प्रभावी माध्यम बन सकते हैं। वनाग्नि जागरूकता अभियान के तहत तैयार किए गए इन गीतों की परिकल्पना व गीत रचना डॉ. कमल गहतोड़ी और कमला वेदी द्वारा की गई है। डॉ. कमल गहतोड़ी ने बताया कि यह जागरूकता सामग्री डीएलएड के विद्यार्थियों के सहयोग से तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि ये गीत वनाग्नि की बढ़ती घटनाओं के प्रति आमजन, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से तैयार किए गए हैं।

पुण्य तिथि

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा की पुण्य तिथि के अवसर पर आज मुख्यमंत्री आवास में उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय बहुगुणा के व्यक्तित्व और कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा कि वे एक दूरदर्शी नेता व कुशल प्रशासक थे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में सदैव जनहित को सर्वोपरि रखा और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

बागेश्वर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आंगनबाड़ी सुपरवाइजरों और पोषण मिशन के कार्यकर्ताओं के लिए जागरूकता व प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसअवसर पर सहायक आयुक्त खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ. प्रकाश चंद्र ने

प्रतिभागियों को खाद्य सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। साथ ही विभाग द्वारा खाद्य सुरक्षा से जुड़े नियमों, स्वच्छता के मानकों और लाइसेंस व पंजीकरण की ऑनलाइन प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से बताया।

कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी सुपरवाइजरों और पोषण मिशन के कार्यकर्ताओं की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया और उन्हें खाद्य सुरक्षा से जुड़े नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया।

पुलिस चौपाल

रुद्रप्रयाग जिले में पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल बनाने के उद्देश्य से संचालित अभियान प्रहरी पड़ाव के तहत ऊखीमठ ब्लॉक की ग्राम पंचायत उषाड़ा में पुलिस ने रात्रि चौपाल का आयोजन किया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस टीम ने ग्रामीणों से संवाद किया। इस मौके पर ग्रामीणों को भरोसा दिलाया गया कि पुलिस उनकी मित्र और सहयोगी है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वह क्षेत्र में सक्रिय असामाजिक तत्वों या मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तुरंत और गोपनीय रूप से पुलिस को दें। कार्यक्रम में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी विशेष जानकारी दी गई। इस दौरान गौरा शक्ति ऐप, महिला हेल्पलाइन नम्बर, घरेलू हिंसा और बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ कानूनी प्रावधानों पर भी चर्चा की गई। रात्रि चौपाल में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई। साथ ही नशामुक्त देवभूमि अभियान के तहत युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया।

स्मारिका विमोचन

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सचिवालय में उत्तराखण्ड सचिवालय बैडमिंटन क्लब की ओर से प्रकाशित स्मारिका का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्मारिका के प्रकाशन के लिए क्लब के पदाधिकारियों व सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की पहलें न केवल खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करती हैं, बल्कि सकारात्मक कार्य संस्कृति के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने स्मारिका में प्रकाशित लेखों, उपलब्धियों और गतिविधियों की सराहना करते हुए आशा व्यक्त की कि यह प्रकाशन आने वाले समय में और अधिक लोगों को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा।

जनगणना प्रशिक्षण

हरिद्वार के अपर जिलाधिकारी पिंचाराम चौहान की अध्यक्षता में सभी फील्ड प्रशिक्षकों के लिए जनगणना–2027 के पहले और दूसरे चरण की तैयारियों को लेकर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनरों ने फील्ड प्रशिक्षकों को जनगणना संबंधी पोर्टल व कार्यप्रणाली की विस्तार से जानकारी दी। गौरतलब है कि जनगणना–2027 के पहले चरण में इस साल मकान सूचीकरण और उनकी गणना की जाएगी। जबकि अगले साल दूसरे चरण में जनगणना प्रस्तावित है।